ISSN: 2456–5474 RNI No.UPBIL/2016/68367 Vol-2* Issue-4* May-2017
Innovation The Research Concept

व्यक्तित्व तथा संवेगात्मक समायोजन

मंजुला धर दुबे
शोध छात्रा,
गृहविज्ञान विभाग,
किसान पी.जी. कॉलेज,
रक्सा ,रतसर, बलिया

ज्योति प्रसाद
पूर्व प्राचार्य,
गृहविज्ञान विभाग,
बी.आर.जी कॉलेज,
ग्वालियर, म.प्र.

सारांश

किशोरावस्था वह काल है, जब व्यक्ति के व्यक्तित्व का जन्म होता है। किशोर के व्यक्तित्व विकास की प्रक्रिया अत्यन्त महत्वपूर्ण व जटिल है व्यक्तित्व विकास की सबसे महत्व पूर्ण अवस्था किशोरावस्था है। व्यक्तित्व व्यक्ति के व्यवहारों का एक समायोजन संकलन है जो वह अपने सामाजिक व्यवस्थापन के लिये किया जाता है।

मुख्य शब्द : किशोरावस्था, व्यक्तित्व एंव संवेगात्मक समायोजन।

प्रस्तावना

किशोरावस्था संवेगात्मक उथल–पुथल की आयु है इस समय संवेग चरमोत्कर्ष पर होते है अतः किशोर में सहज रूप से ही संगात्मक अस्थिरता दृष्टिगोचर होता है।

''समायोजन एक सतत प्रक्रिया है और साथ ही सामंजस्य की एक संतोषजनक स्थिति भी है।'' किशोरों के जीवन में संवेगात्मक समायोजन का अत्यधिक महत्व है।

उद्देश्य

1. किशोर बालक की संवेगात्मक समायोजन क्षमता का अध्ययन करना।
2. किशोर बालक के व्यक्तित्व का अध्ययन करना।
3. किशोर बालक के संवेगात्मक समायोजन क्षमता पर उसके व्यक्तित्व के प्रभाव का अध्ययन करना।

शोध पद्धति

प्रस्तुत अध्ययन हेतु शोधार्थी ने निम्न शोध पद्धति का उपयोग किया है।

परिकल्पना

शोधार्थी ने निम्नलिखित शून्य परिकल्पनाऐं निर्मित की है –

1. विभिन्न पूर्व एवं उत्तर किशोरावस्था के बालकों की संवेगात्मक समायोजन क्षमता में सार्थक भिन्नता नहीं पायी जावेगी।
2. विभिन्न पूर्व एवं उत्तर किशोरावस्था के बालकों के व्यक्तित्व में सार्थक विभिन्नता नहीं पायी जावेगी।
3. विभिन्न पूर्व एवं उत्तर किशोरावस्था के बालकों की संवेगात्मक समायोजन क्षमता उसके व्यक्तित्व से सार्थक रूप से प्रभावित नहीं होगी।

प्रस्तुत शोध अध्ययन में शोधार्थी द्वारा प्रारम्भतया प्रतिचयन के अन्तर्गत दैव निदर्शन विधि का प्रयोग कर न्यादर्श का चयन किया गया है। शोधार्थी ने शोध कार्य हेतु उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थ नगर जिले के अन्तर्गत डुमरियागंज क्षेत्र को अध्ययन के लिये जो कि 2011 के जनगणना के अनुसार वहां की जनसंख्या 352290 है जिसमें 13–16 वर्ष आयु के 62,700 तथा 17–21 वर्ष के 41300 बालक एवं बालिकाए है। उपरोक्त आंकड़ों में से विभिन्न शासकीय एवं अशासकीय विद्यालय एवं महाविद्यालयों से 300 किशोर बालक एवं बालिकाओं का चयन किया गया किशार बालक एवं बालिकाओं का चयन छात्रों की संख्या के आधार पर किया गया इस प्रकार विभिन्न सामाजिक एवं आर्थिक स्तर के 16 से 21 वर्ष के बालक एवं बालिकाए प्रस्तुत शोध में समग्र का निर्धारण करेगी।

तथ्य संकलन

प्राथमिक तथा द्वितीयक दोनों प्रकार के तथ्य संकलन का प्रयोग शोधार्थी ने अपने शोध अध्ययन में किया।

मापन के उपकरण अथवा मनोवैज्ञानिक परीक्षण

1. समायोजन सम्बन्धी मापनी– ए.के.पी. सिंह और आर.पी. सिंह
2. व्यक्तित्व सम्बन्धी मापनी – डा0 पी.एफ. अजीज और रेखा गुप्ता

किशोरावस्था के बालकों के संवेगात्मक समायोजन क्षमता के मध्य सार्थकता के स्तर के प्रतिशत को प्रदर्शित करने वाली तालिका

समूह	संवेगात्मक समायोजन का स्तर						काई वर्ग का मान	df	काई वर्ग का तालिका मान
	उत्कृष्ठ	श्रेष्ठ	सामान्य	असंतोषजनक	अति असंतोषजनक	योग			
पूर्व किशोरावस्था	2	28	36	61	23	150	91.92	4	13.277
उत्तर किशोरावस्था	38	44	55	10	3	150			
योग	40	72	91	71	26	300			

किशोरावस्था में बालकों के व्यक्तित्व के मध्य सार्थकता के स्तर के प्रतिशत को प्रदर्शित करने वाली तालिका

समूह	अर्न्तमुखी	उभयमुखी	वाह्यमुखी	योग	मान	df	काई वर्ग का तालिका मान
पूर्व किशोरावस्था	40	90	20	150	14.4	2	9.21
उत्तर किशोरावस्था	25	79	46	150			
योग	65	169	66	300			

किशोरावस्था में व्यक्तित्व एवं संवेगात्मक समायोजन के मध्य सह संबध दर्शाने वाली तालिका

समूह	कुल संख्या	सह संबंध	धनात्मक	ऋणात्मक
पूर्व किशोरावस्था	150	0.078902449	–	
उत्तर किशोरावस्था	150	0.212784	+	

निष्कर्ष

तालिका क्रमांक 1 में पूर्व एवं उत्तर किशोरावस्था के बालकों के संवेगात्मक समायोजन क्षमता के मध्य सार्थक विभिन्नता के स्तर को प्रकट करती है। जिसका काइमान 91.92 है जो 0.01 पर अपनी सार्थकता प्रकट करती है। तालिका क्रमांक 2 में विभिन्न बालकों के व्यक्तित्व के मध्य सार्थक विभिन्नता के स्तर को प्रदर्शित करती है जिसका काईमान 14.4 है जो 0.01 पर अपनी सार्थकता प्रकट करती है। व्यक्तित्व तथा संवेगात्मक समायोजन दर्शाने वाली तालिका निम्न है जिसमें व्यक्तित्व और संवेगात्मक समायोजन के मध्य पूर्व किशोरावस्था में ऋणात्मक उत्तर किशोरावस्था धनात्मक ससम्बन्ध दर्शाती है।

तालिका क्रमांक 1 में विभिन्न किशोर बालकों के संवेगात्मक समायोजन में सार्थक विभिन्नता पायी गयी तालिका क्रमांक 2 में विभिन्न किशोर बालकों के व्यक्तित्व में सार्थक विभिन्नता पायी गयी। तालिका क्रमांक 3 में पूर्व तथा उत्तर किशोरावस्था के बालकों के संवेगात्मक समायोजन क्षमता पर व्यक्तित्व का प्रभाव पड़ता है।

संद्रर्भ ग्रंथ सूची

1. *Beyers, wim, Goossens L 40, Journal of Adolescence Dec 199, Vol. 22 (6) p. 753-770*
2. *Benjel Corina Hernanade Guzman Laura Journal of Adolescene 2001 Sep. Vol. 36)4) p.47-65*
3. *Blair, A.W and Burton W.H. Growth and development of the preadolescent Appleton century crofts N.Y. 1951 p. 282-93.*
4. *Bernard H.W. Adolescent development Scranton to interest Educational Publishers 1971.*
5. *Christian Sen J.R. and T.R. Black Group participation and personality Adjustment Bombay 1954-57, p. 580-586.*